PROFORMA FOR COURSE DETAILS

Course Name :	**M.Phil.**
Course Subject :	**Sanskrit**
Type of Course (Ph.D./M.Phil/PG/PG Diploma/UG/Diploma/ Certificate)	**M.Phil.**
Scheme of Grading	As per the general rules of the University viz.60% above Ist division
Duration of Course	**1 ½ years**
Admission Eligibility	Apart from the general University rules see **Annexuer-14**
Course Syllabus	**Annexure -15**
Other Information (if any)	-
Promotion Rules	-

Annexure-14

Criteria for Admission and Syllabus for M.Phil. (Sanskrit) Entrance Test - 2010

एम. फिल्. (संस्कृत) में प्रवेश के लिए निम्नलिखित मानदण्ड हैं –

(क) लिखित परीक्षा –		100 अङ्क
(ख) पूर्वपरीक्षाओं के परिणामों पर आधारित मेधाक्रम :		
एम. ए. –	60 अङ्क	
बी.ए. –	30 अङ्क	
बारहवीं –	05 अङ्क	
दसवीं –	05 अङ्क	
		100 अङ्क
(क) + (ख) के कुल अङ्क		200

आरक्षित सीटों के प्रावधान के क्रियान्वयन के पश्चात् उपलब्ध सीटों पर कुल लब्धांक के आधार पर प्राथमिकता क्रम से प्रवेश दिया जायेगा।

....– : – ....

लिखित परीक्षा के प्रश्नपत्र का प्रारूप निम्न प्रकार से होगा : –

खण्ड	अङ्क	विषय
(क)	15	संस्कृत-संबंधी सामान्य ज्ञान (यथा- संस्कृत से सम्बद्ध समाचारपत्र, आकाशवाणी व दूरदर्शन के कार्यक्रम, संस्कृतपुरस्कार, प्राच्यविद्या के केन्द्र व आधुनिक विद्वान् एवं संस्कृतविषयक गतिविधियाँ आदि) पर आधारित बहु-विकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(ख)	35	दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार साहित्यदर्पण, लघुकौमुदी, भाषा-विज्ञान तर्कभाषा, वेदान्तसार, सांख्यकारिका, निरुक्त, संस्कृत साहित्य का इतिहास (विशेषतः गद्य, पद्य व नाटक) एवं भारतीय संस्कृति (विशेषतः वर्णाश्रम, पुरुषार्थ एवं षोडश संस्कार, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, व शैव धर्म) से संबद्ध बहु-विकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(ग)	25	एम. ए. में पढ़ाए जाने वाले प्रत्येक वर्ग जैसे वेद, साहित्यशास्त्र, व्याकरण आदि (दिल्ली वि.वि. के पाठ्यक्रमानुसार) से संबद्ध बहु-विकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(घ)	25	150–200 शब्दों में संस्कृत निबन्ध, जिसके विषय अधोलिखित क्षेत्रों से सम्बद्ध होगे: 1. वेद, 2. दर्शनशास्त्र, 3. व्याकरणशास्त्र, 4. साहित्यशास्त्र, 5. धर्मशास्त्र, 6. पुरालिपिशास्त्र, 7. आधुनिक संस्कृत, 8. पुराण-इतिहास, 9. ज्योतिषशास्त्र.

1. प्रवेश परीक्षा 2 घण्टों की होगी।
2. प्रश्नपत्र के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए **Negative Marking** की जाएगी, जिसमें प्रत्येक अशुद्ध उत्तर के लिए 1/2 अंक की कटौती होगी।
3. संस्कृत निबन्ध के प्रश्न में प्रत्येक क्षेत्र से दो विकल्प दिए जाएँगे।
4. परीक्षार्थी विशेष पाठ्यक्रम में (ग) खण्ड के जिस एक वैकल्पिक क्षेत्र से वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का उत्तर देगा, उसी क्षेत्र से उसे (घ) खण्ड का संस्कृत निबन्ध भी लिखना होगा।
5. प्रवेश परीक्षा में सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों को न्यूनतम 25 अंक तथा आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों को न्यूनतम 20 अङ्क प्राप्त करने होंगे।

Annexure-15

Courses for M.Phil. Programme in Sanskrit

Course - I

Research Methodology

(i.) Introductory : Problems and extent
(ii.) Sources of material and classification
(iii.) Manuscriptology
(iv.) Collection and interpretation of material
(v.) Editing

शोध-प्रविधि

1. अनुसंधान का स्वरूप-अनुसंधान एवं आलोचना, समीक्षा, विमर्श (परस्पर भेद), संस्कृत-अध्ययन की शाखाएँ, संस्कृतशोध के उद्देश्य एवं क्षेत्र।
2. विषय-निर्वाचन-पद्धति एवं निर्वाचित विषय में किये गये शोध कार्यों का निरीक्षण।
3. शोध-प्रबन्ध की रूपरेखा-निर्माण-पद्धति।
4. शोध के घटकतत्त्व एवं शोध पद्धति।
5. सामग्री संकलन-मुख्य स्रोत एवं गौण स्रोत, पत्र-पत्रिकाएँ इत्यादि।
6. अनुसंधान के साधन
7. पाठालोचन
8. संदर्भ-ग्रन्थ-सूची के निर्माण की प्रक्रिया
9. परिशिष्ट
10. शब्दानुक्रमणिका
11. **अवान्तर विषय**
    (i) संस्कृत शोध विषयक सन्दर्भ ग्रन्थ
    (ii) कोशग्रन्थ
    (iii) विश्वकोष
    (iv) ग्रन्थ सूचियां
    (v) परिशिष्ट
    (vi) शब्दानुक्रमणिकाएँ
    (vii) हस्तलिखित एवं मुद्रित ग्रन्थों की सूचियाँ
    (viii) शोध पत्रिकाएं
12. **पाण्डुलिपि-विज्ञान**
    (i) हस्तलिखित ग्रन्थों व पाठों के प्रकार
    (ii) सम्प्रेषित हस्तलिखित ग्रन्थों में भ्रष्टता के कारण
    (iii) पाठ संशोधन
    (iv) पाठालोचन के सिद्धान्त
    (v) हस्तलिखित ग्रन्थों के सम्पादन की पद्धति (रामायण और महाभारत)
    (vi) पाण्डुलिपि - वंशवृक्ष
    (vii) हस्तलिखित - ग्रन्थों के भण्डार
13. **लिप्यन्तर**

संस्तुत पुस्तकें :

1. अनुसंधान का विवेचन - उदयभानुसिंह
2. शोध प्रविधि - विनयमोहन शर्मा
3. शोध प्रक्रिया और विवरणिका - सावित्री सिन्हा व विजयेन्द्र स्नातक
4. भारतीय पाठालोचन की भूमिका (हिन्दी अनुवाद) - डॉ. एस.एम. कत्रे
5. पाठालोचन: सिद्धान्त और प्रक्रिया - मिथिलेश कत्रे
6. महाभारत के आलोचनात्मक संस्करण की भूमिका, पूना - वी.एस.सुक्थंकर
7. न्यूकेटेलोगस केटेलोगोरम की भूमिका - वी. राघवन
8. पाण्डुलिपि विज्ञान - रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'
9. पाण्डुलिपि विज्ञान - सत्येन्द्र
10. अनुसंधान के मूलतत्त्व - उदयभानुसिंह
11. Indological studies in India : Raghavan
12. India and Indology …… W. Norman Brown Ed. R. Roacher
13. Some Problems of Indian Literature ……. M. Winternitz
14. History of Indian literature ……. M.Winternitz. Vol.I,II,III & IV
15. History of Classical Sanskrit Literature …….S.N. Dasgupta (Classical Period) & S.K.De.
16. Review of Indological Research in last 75 years Ed.P.G.Chinmulgund and Dr. V.V. Mirashi
17. Proceedings and Transactions of All India Oriental Conferences.
18. InCompanion to Sanskrit Literature : S.C. Banerji
19. Introduction of Natyasastra, S.K. Bhatt
20. Studies of Vidyaranya (Introduction), T.M.P. Mahadevan
21. Introduction to the critical edition of the Ramayana,Baroda
22. Vedic Variants

Course – II

Language and Literature

(i) Survey of Vedic researches
(ii) Survey of Researches in classical Sanskrit Literature
(iii) Survey of Researches in Sanskrit Poetics
(iv) Survey of Grammatical researches

सर्वेक्षण

(i)

1. वैदिक साहित्य के प्रमुख इतिहास-ग्रन्थ।
2. वैदिक देवशास्त्र पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण।
3. ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद पर हुए प्रमुख शोधकार्यों का सर्वेक्षण
4. मैक्समूलर, ग्रिफिथ, विल्सन, हिलब्राण्ट, सायण, महीधर, विश्वबन्धु, आर.एन.दाण्डेकर आदि।

(ii)

1. लौकिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख इतिहास-ग्रन्थ।
2. बृहत्त्रयी, लघुत्रयी एवं गीतिकाव्यों पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण।
3. संस्कृत रूपक-साहित्य, संस्कृत नाटकों पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण।
4. संस्कृत चम्पूकाव्यों पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण।
5. कालिदास, माघ, भारवि, श्रीहर्ष, भासादि तथा कीथ, वार्डर, कृष्णमाचारी, विन्टर नितस, बलदेव उपाध्याय आदि।

(iii)

1. संस्कृत काव्यशास्त्र के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ।
2. रस, अलङ्कार, रीति, गुण, ध्वनि, औचित्य और वक्रोक्ति पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण।
3. संस्कृत नाट्यशास्त्रीय प्रमुख इतिहास ग्रन्थ
4. संस्कृत नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ और उन पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण
5. भरत, भामह, वामन, आनन्दवर्धन मम्मट, भोज, अभिनवगुप्त, धनञ्जय, धनिक, रुद्रट, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, रुय्यक, अप्पयदीक्षित, जयदेव, आदि तथा एस. के. डे., पी. वी. काणे, एस. कुप्पुस्वामी, ए. शंकरन, शिवप्रसाद भट्टाचार्य, वी. राघवन, के. कृष्णामूर्त्ति आदि।

(iv)

1. संस्कृत व्याकरण के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ
2. पाणिनि, पतञ्जलि, भर्तृहरि, त्रिमुनि पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण।
3. पाणिनि-भिन्न व्याकरण सम्प्रदायों पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण।
4. त्रिमुनि, भट्टोजिदीक्षित, कात्यायन आदि तथा जॉर्ज कॉर्डोना, लुई रेनु, के. ए. एस. अय्यर, एस.डी. जोशी आदि।

संस्तुत पुस्तकें : -

1. Vedic Bibligraphy I- III, R.N.Dandekar
2. Bibligraphic Vedique - L. Renou
3. History of Indian Literature, Winternitz
4. History of Classical Sanskrit Literature, M.Krishnamacharier
5. History of Sanskrit Literature, Dasgupta & S.K.De
6. Kalidas Bibligoraphy, S.P.Narang
7. History of Sanskrit Poetics, P.V. Kane
8. Sanskrit Poetics, S.K.De
9. Systems of Sanskrit Grammar, S.K. Belvalkar
10. Oriental Studies, R.N. Dandekar & V. Raghavan
11. Survey of Indic Studies, R.N. Dandekar
12. 75 years of Indology, V.V. Mirashi
13. Mahabhasya, S.D.Joshi
14. Vakyapadiya (appendices), S.Abhyankar

Course - III

Religion, Philosophy and Culture

1. Survey of Ancient Religions
2. Main problems of Indian Philosophy
3. Vedic Culture
4. Epic and Puranic Culture

धर्म, दर्शन और संस्कृति

1. बौद्ध, जैन, वैष्णव, शैव, शाक्त धर्मों का सर्वेक्षण या उद्‌भव एवं विकास।
2. भारतीय दर्शन में आत्मा, परमात्मा-ईश्वर-ब्रह्म, कार्यकारण सिद्धान्त, प्रमाण मीमांसा, मोक्ष और मोक्ष के साधन, कर्मसिद्धान्त एवं पुनर्जन्म
3. वैदिक संस्कृति, बहुदेववाद, एकेश्वरवाद।
4. रामायणकालीन, महाभारतकालीन एवं पौराणिक संस्कृति।

संस्तुत पुस्तकें -

1. वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत, आर.जी. भण्डारकर (अनुवादक) डॉ. महेश्वरी प्रसाद, दिल्ली।
2. शैव मत, यदुवंशी।
3. Religions of India, Barth
4. Encyclopedia of Religion and Ethics, James Hastings
5. भारतीय दार्शनिक समस्याएँ, डॉ. नन्दकिशोर शर्मा, जयपुर।
6. Indian Philosophy, J.N. Sinha
7. Vedic Age, A.D. Pusalkar
8. Sanskrit Culture, P.K.Acharya
9. Studies in Epics and Puranas, A.D.Pusalkar
10. पुराणविमर्श, बलदेव उपाध्याय

Course - IV

Ancient Indian Socio-political Institution

(i) Social Institutions
(ii) Political Institutions
(iii) Economic Institutions
(iv) Legal Institutions
(v) Sanskrit Literature and Chronology

प्राचीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, न्यायिक संस्थाएँ

1. प्राचीन भारतीय सामाजिक व्यवस्था, वर्णाश्रम-व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, स्त्रियों की सामाजिक स्थिति, विवाह, षोडश संस्कारादि।
2. प्राचीन भारतीय राजसत्ता, राजतन्त्र, राज्य के आय-स्त्रोत, शासनपद्धति, सम्पत्तिविभाजन, राज्य के सप्ताङ्ग आदि।
3. प्राचीन भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख पक्ष।
4. प्राचीन भारतीय साहित्य के कालनिर्धारण की समस्याएँ और उनके समाधान

<u>संस्तुत पुस्तकें :-</u>

1. मनुस्मृति आदि प्रमुख स्मृतियां
2. कौटिल्य अर्थशास्त्र
3. History of Dharamsastra, P.V.Kane
4. Sudras in Ancient India, R.S.Sharma
5. Slavery in Ancient India, D.R. Chanana
6. Indian Polity, K.P. Jayaswal
7. Political Institution in Ancient India, R.S.Sharma
8. Judicial Studies in Ancient Indian Law, Ludwig Sternbach
9. Chronology of India, C.M.Duff
10. Ancient Indian Chronology, Sengupta
11. Chronology of India, Mankad